

Vinayak Study Junction, BEAWAR

VSJ

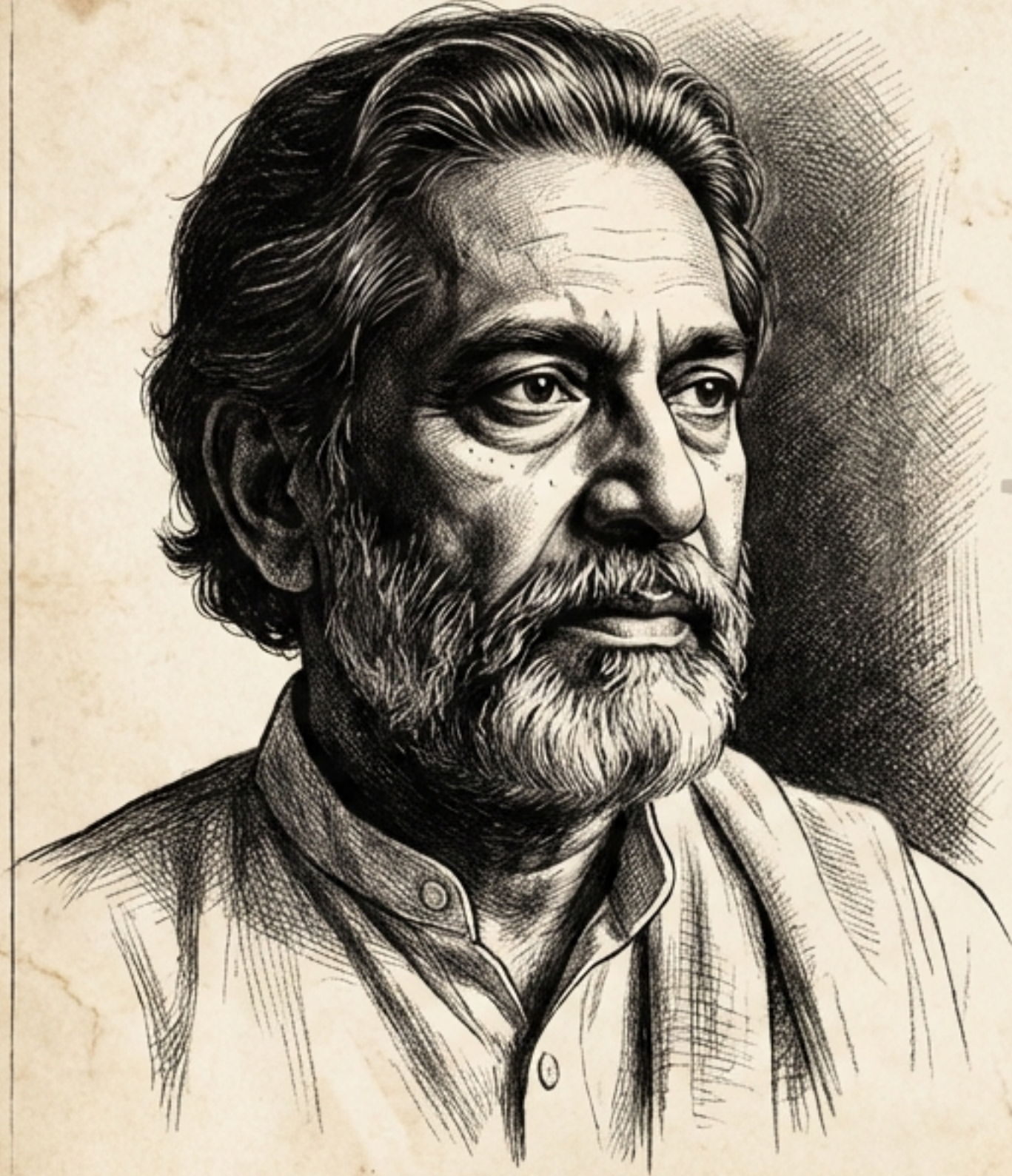
कारतूस

हबीब तनवीर द्वारा रचित एक जाँबाज़ की कहानी



Dadhich Colony Masuda Road, Beawar Mo.9252637138

मंच का निर्माता: हबीब तनवीर (1923-2009)



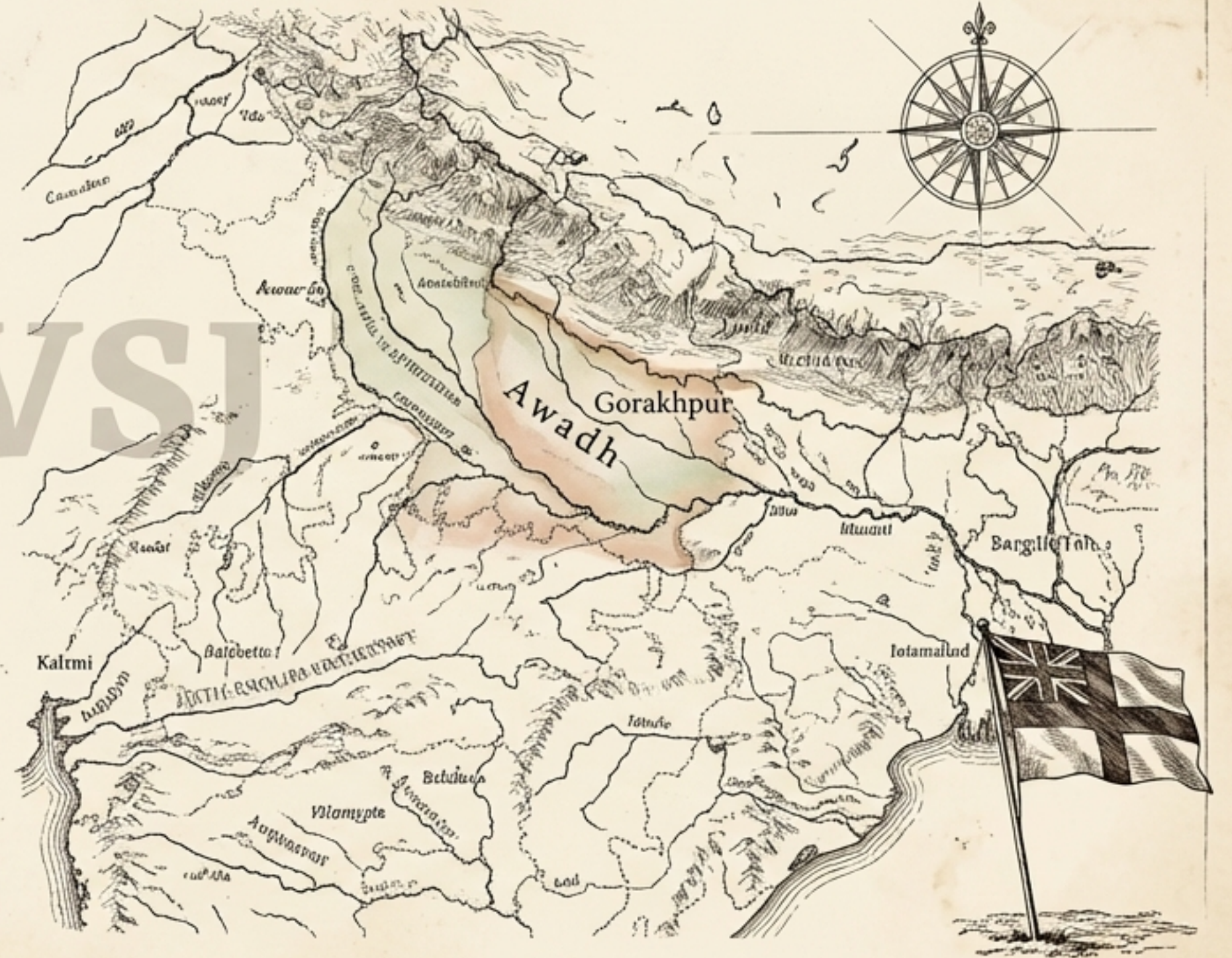
- जन्म: 1923, रायपुर (छत्तीसगढ़)।
- शिक्षा: ब्रिटेन की नाटक अकादमी से नाट्य-लेखन का अध्ययन।
- योगदान: दिल्ली में पेशेवर नाट्यमंच की स्थापना की।
- पहचान: पद्मश्री से सम्मानित; एक नाटककार, कवि, निर्देशक और अभिनेता।
- प्रमुख नाटक: आगरा बाज़ार, चरनदास चोर, हिरमा की अमर कहानी।

कहानी का समय: सन् 1799, गोरखपुर के जंगल

पृष्ठभूमि: ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापारी के भेष में आई, पर धीरे-धीरे रियासतों पर कब्जा करने लगी।

संघर्ष: कंपनी की असलियत सामने आते ही, उन्हें हिंदुस्तान से खदेड़ने के प्रयास शुरू हो गए।

नायक का लक्ष्य: इस कहानी का नायक एक ऐसा ही दिलेर था जिसका एकमात्र लक्ष्य था - 'अंग्रेजों को इस देश से बाहर करना।'



'ये वज़ीर अली आदमी है या भूत, हाथ ही नहीं लगता।'

दृश्य: कर्नल कॉलिंज का खेमा, गोरखपुर का जंगल।



हफ्तों से खेमा डाले हुए हैं, लेकिन वज़ीर अली पकड़ से बाहर है।

सिपाही भी तंग आ चुके हैं।
कर्नल: 'उसके अफ़साने सुन के रॉबिनहुड के कारनामे याद आ जाते हैं।'

'अंग्रेजों के खिलाफ़ उसके दिल में किस कदर नफ़रत है।'

तख्त का दुश्मन: सआदत अली और अंग्रेज़

नवाब आसिफ़उद्दौला



वज़ीर अली



सआदत अली
(भाई)



आधी जायदाद



दस लाख रुपये

रिश्ते: सआदत अली, नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई और वज़ीर अली का दुश्मन था।

धोखा: अंग्रेज़ों ने वज़ीर अली को हटाकर सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाया।

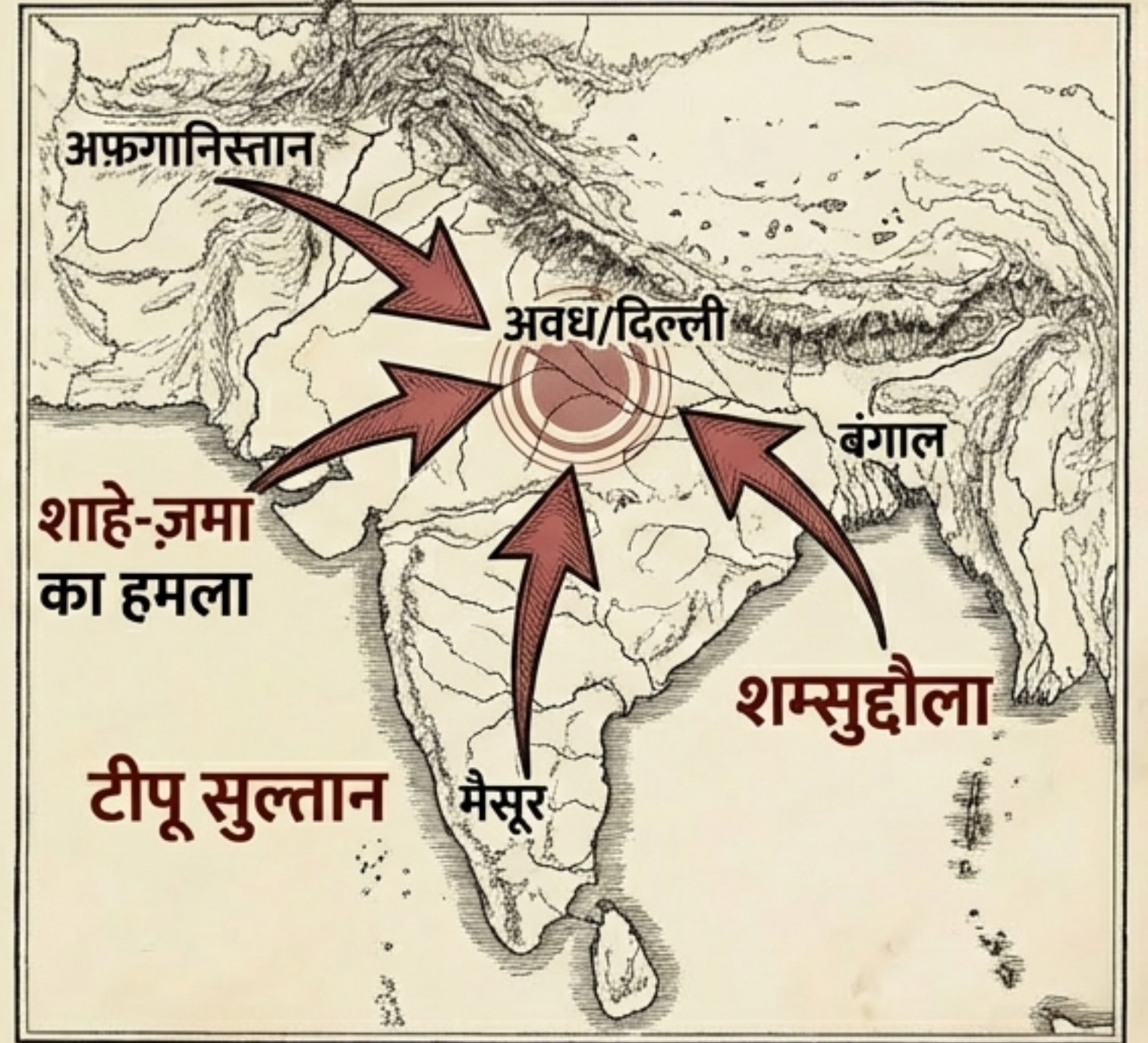
कीमत: इसके बदले में, सआदत अली ने अंग्रेज़ों को अपनी आधी जायदाद (मुमलिकत) और दस लाख रुपये नकद दिए।

परिणाम: इस घटना से वज़ीर अली के दिल में अंग्रेज़ों के खिलाफ़ नफ़रत कूट-कूटकर भर गई।

एक राष्ट्रव्यापी विद्रोह की योजना

वज़ीर अली की स्कीम:

- * **पहला कदम:** किसी तरह नेपाल पहुँचना और अपनी ताकत बढ़ाना।
- * **विदेशी मदद:** अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिंदुस्तान पर हमले के लिए आमंत्रित करना।
- * **भारतीय गठबंधन:** टीपू सुल्तान और बंगाल के नवाब के भाई शम्सुद्दौला के साथ मिलकर एक संयुक्त मोर्चा बनाना।
- * **प्रभाव:** 'कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है।'



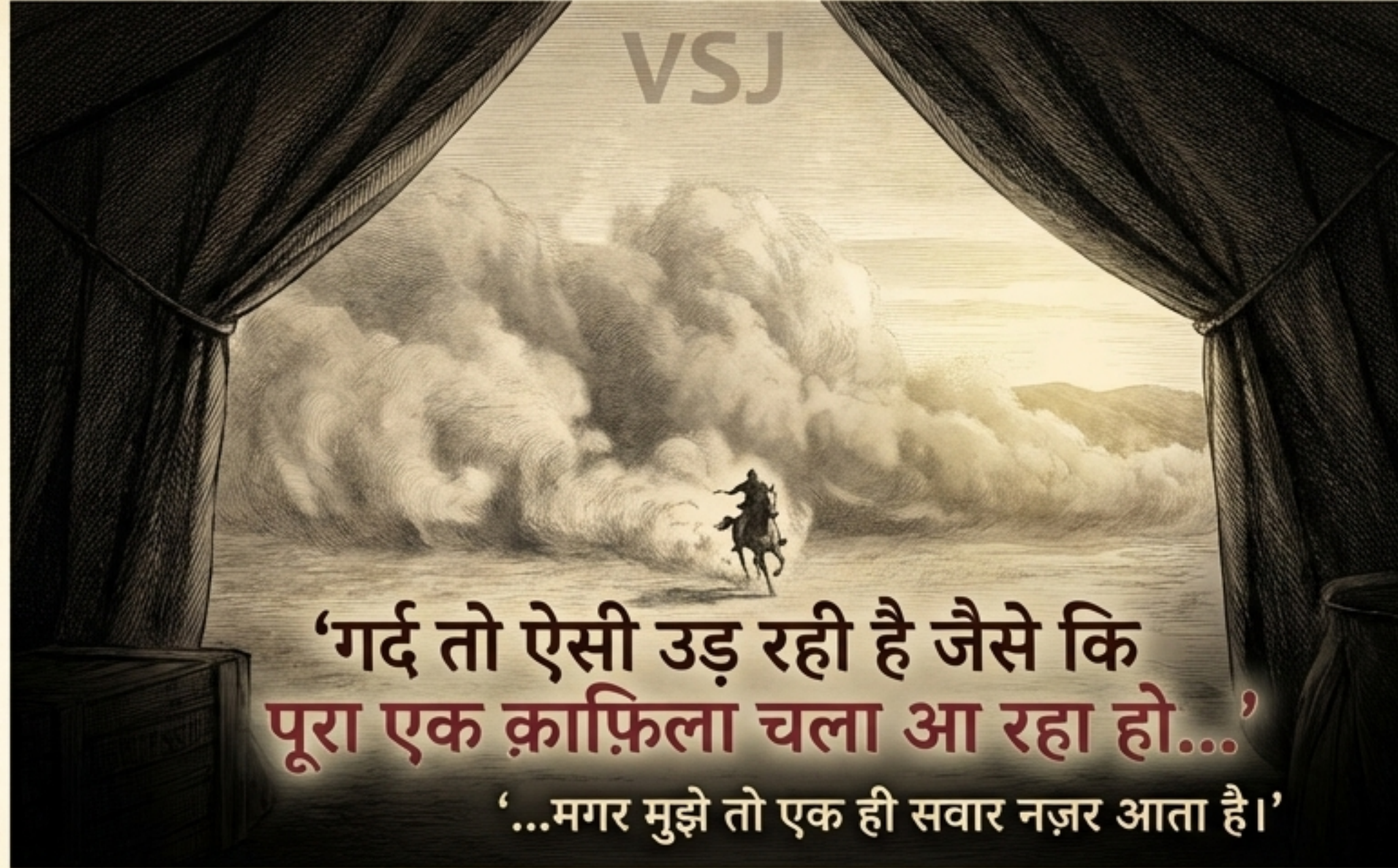
जब स्वाभिमान ने उठाया खंजर: वकील का क़त्ल



****घटना का क्रम**:**

1. पद से हटाने के बाद वज़ीर अली को तीन लाख रुपये सालाना वज़ीफे पर बनारस भेजा गया।
2. गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता तलब किया।
3. शिकायत करने पर बनारस में कंपनी के वकील ने उसकी बेइज़्जती की और उसे बुरा-भला कहा।
4. वज़ीर अली ने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।
5. इसके बाद वह अपने साथियों (जानिसारों) समेत आजमगढ़ की तरफ़ भाग गया।

Vinayak Study Junction, BEAWAR



- * दूर से धूल का एक बड़ा गुबार उठता दिखाई देता है।
- * लेफ़्टिनेंट को लगता है कि एक पूरी सेना आ रही है, पर असल में एक ही घुड़सवार है।
- * वह सवार तेज़ी से सीधे खेमे की तरफ़ बढ़ा चला आ रहा है।

आमना-सामना और एक अजीब माँग: 'तन्हाई!'



- सवार खेमे में प्रवेश करता है और कर्नल से अकेले में बात करने की माँग करता है।
- उसका आत्मविश्वास और निडरता कर्नल को भी चकित कर देती है।
- जब कर्नल कहता है कि यहाँ कोई गैर आदमी नहीं है, तो सवार जवाब देता है: "दीवार हमगोश दारद, तन्हाई।" (दीवारों के भी कान होते हैं, एकांत चाहिए)।
- कर्नल अपने लेफ्टिनेंट और सिपाही को बाहर भेज देता है।

VSJ

एक असंभव माँग: 'चंद कारतूस'



सवार: 'वज़ीर अली की गिरफ्तारी बहुत मुश्किल है साहब... वो एक जाँबाज़ सिपाही है।'

कर्नल: 'आप क्या चाहते हैं?'

सवार: 'चंद कारतूस।'

कर्नल: 'किसलिए?'

सवार: 'वज़ीर अली को गिरफ्तार करने के लिए।'

कर्नल बिना शक किए उसे दस कारतूस दे देता है।

Vinayak Study Junction, BEAWAR

VSJ

कर्नल पूछता है:
"आपका नाम?"

वज़ीर अली

सवार मुस्कुराते हुए जवाब देता है:
"वज़ीर अली।"

"आपने मुझे कारतूस दिए, इसलिए आपकी जान बख़शी करता हूँ।"

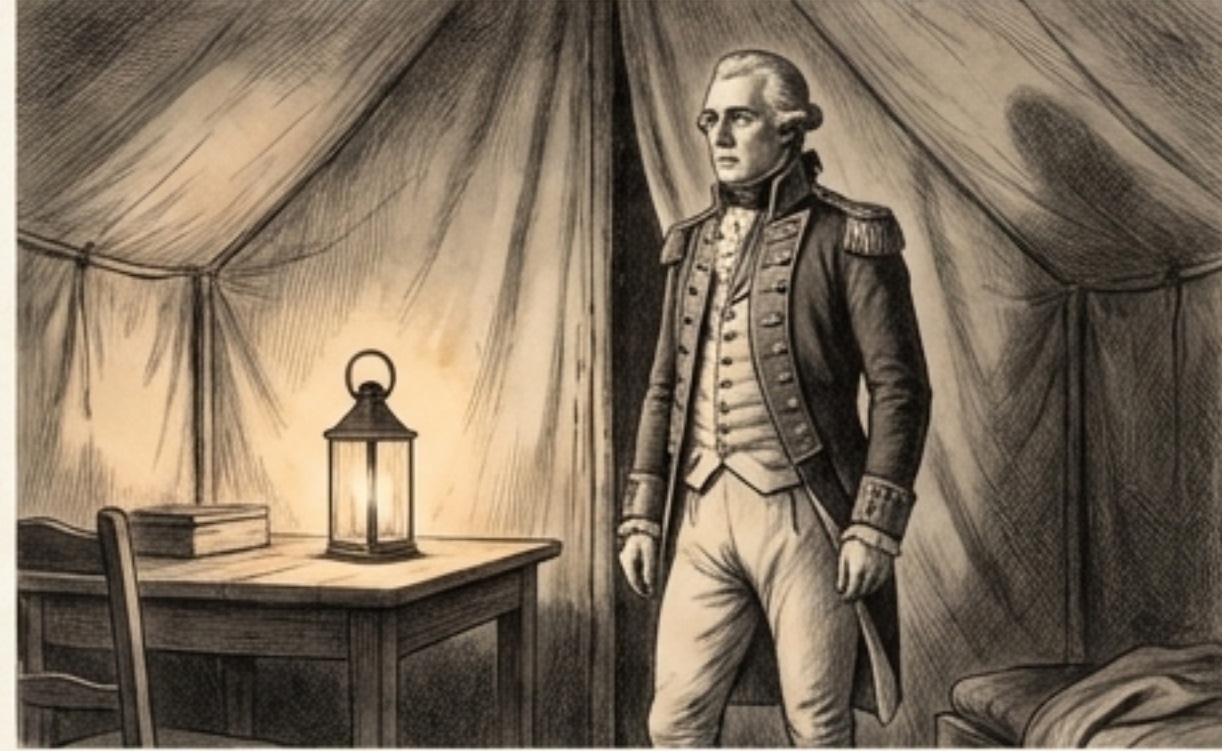
यह कहकर वह बाहर चला जाता है। कर्नल एक सन्नाटे में, हक्का-बक्का खड़ा रह जाता है।

Dadhich Colony Masuda Road, Beawar Mo.9252637138

Vinayak Study Junction, BEAWAR

VSJ

दुश्मन की ज़ुबान से निकला सम्मान



लेफ्टिनेंट अंदर आता है और पूछता है: 'कौन था?'
कर्नल (दबी ज़ुबान से अपने आप से कहता है):

'एक जाँबाज़ सिपाही।'

****The Takeaway****: वज़ीर अली की बहादुरी इतनी महान थी कि उसका दुश्मन भी उसकी प्रशंसा करने पर मजबूर हो गया।

Dadhich Colony Masuda Road, Beawar Mo.9252637138

वज़ीर अली: एक व्यक्तित्व, अनेक रूप



जाँबाज़ (Valiant):

दुश्मन के खेमे में अकेले घुसने का साहस।



चतुर (Cunning):

कर्मल को अपनी बातों और योजना से मात देना।



देशभक्त (Patriot):

अंग्रेज़ों को हिंदुस्तान से निकालने का अटूट संकल्प।



स्वाभिमानी

(Self-Respecting):

वकील द्वारा किया गया अपमान सहन न करना।



दमखम (Powerful):

'मुट्टी भर आदमी' के साथ पूरी ब्रिटिश फ़ौज को परेशान करना।

VSJ

पाठ के यादगार शब्द

अफ़साने: कहानियाँ

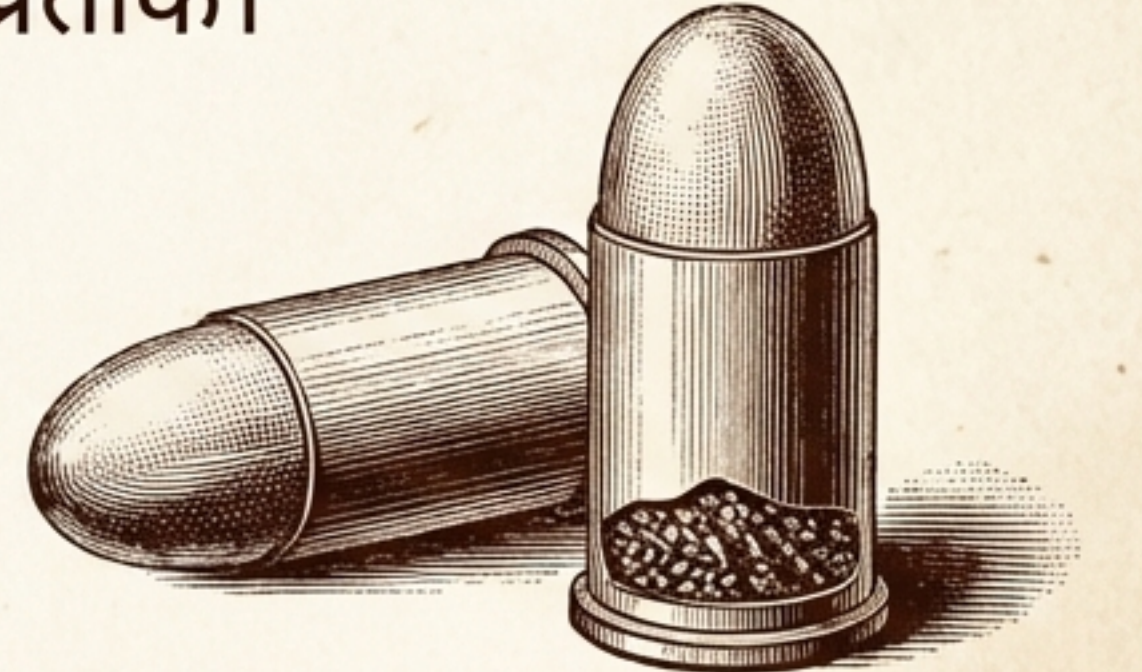
जाँबाज़: जान की बाज़ी लगाने वाला

दमखम: शक्ति और दृढ़ता

हक्का-बक्का: आश्चर्यचकित, स्तब्ध

तन्हाई: एकांत

कारतूस: पीतल की नली जिसमें गोली और बारूद भरी रहती है; कहानी का केंद्रीय प्रतीक।



Vinayak Study Junction, BEAWAR

VSJ



'कारतूस' केवल एक एकांकी नहीं, बल्कि साहस, स्वाभिमान और अटूट देशभक्ति की एक मिसाल है।

यह कहानी दर्शाती है कि कैसे एक अकेला जाँबाज़ सिपाही, अपनी हिम्मत और बुद्धिमानी से एक पूरी सल्तनत पर भारी पड़ सकता है।